

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 25, ईसा। 52-53

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या 25, यशायाह अध्याय 52 और 53 है।

शुभ संध्या। ऐसी रात में, आपको पता चलता है कि वास्तव में धर्मी अवशेष कौन है। बधाई हो। आपको देखकर अच्छा लगा। भारी बारिश का सामना करने के लिए धन्यवाद।

आइये मिलकर प्रार्थना करें। हमें तो याद है पुराना गाना, दुआओं की बारिश होगी। और हम आपको धन्यवाद देते हैं कि अपने लोगों पर आशीर्वाद बरसाना आपका चरित्र और स्वभाव है। ऐसे आशीर्वाद जो नितांत अयोग्य हैं लेकिन आपके हृदय की अच्छाई से दिए गए हैं। धन्यवाद।

हम बहुत से ऐसे आशीर्वादों को पहचानते हैं जिन्हें हम हल्के में लेते हैं। हम मान लेते हैं कि हमने किसी तरह उन्हें अर्जित कर लिया है या हम उनके लायक हैं। और जब हम उन्हें चाहते हैं तब वे वहां नहीं होते तो हम आकार से बाहर हो जाते हैं।

हे प्रभु, हम पर दया करो। हम आज शाम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो आध्यात्मिक, भावनात्मक, आर्थिक और कई अन्य तरीकों से गहरे संकट से गुजर रहे हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप वास्तव में उन पर अपना आशीर्वाद बरसायेंगे।

जब दुश्मन उन्हें मार गिराए तो उन्हें खड़े होने में सक्षम बनाएं। हे भगवान, उन्हें तब समृद्ध होने में सक्षम करें जब दुश्मन वास्तव में उन्हें हर समर्थन से वंचित कर दे। धन्यवाद भगवान।

धन्यवाद कि यही आपका स्वभाव है, यही आपका चरित्र है। हम आपकी स्तुति करते हैं और आपकी महिमा करते हैं। धर्मग्रंथ के इस अद्भुत अंश के लिए धन्यवाद जो आज शाम हमारे सामने है।

हम प्रार्थना करते हैं कि आप फिर से हमें यहां मौजूद कम से कम कुछ गहराई तक उतरने में मदद करेंगे, ताकि हमारे लिए यहां मौजूद कुछ धन को ढूंढ सकें। ओह, अपने आप को बड़ा करो, हे भगवान। आइए हम आपकी सुंदरता और आपकी देखभाल के आश्चर्य को देखें और आपको धन्यवाद देंगे। आपके नाम पर, आमीन।

पिछली बार हमने 49 से 51 तक देखा और हमने देखा कि उन अध्यायों में, हालांकि उद्धार की भाषा का उपयोग किया गया है, बेबीलोन का उल्लेख नहीं किया गया है। एक और मुद्दा है जिससे निपटना होगा और वह मुद्दा है ईश्वर से उनका अलगाव।

घर वापस जाना एक बात है, लेकिन आप भगवान के पास वापस कैसे पहुँचेंगे? आप प्रभु के ये सेवक कैसे बनते हैं जिसका वादा किया गया है? इन्हें ईश्वर के साक्ष्य के रूप में नामित किया गया है और इसलिए उस प्रश्न पर यहां विचार किया जा रहा है। हमने अध्याय 49 श्लोक 1 से सेवक,

पूजी एस के दूसरे रहस्योद्घाटन के साथ शुरुआत की। पहला अध्याय 42 में था, लेकिन लोगों ने कहा, भगवान, आप हमें भूल गए हैं। आपका काम हमारा हो गया।

तुम्हें इससे अधिक कुछ लेना-देना नहीं है और भगवान विरोध करते हैं, नहीं, नहीं, मैं तुम्हें नहीं भूला हूँ। और इसलिए, हम प्रत्याशा के बढ़ते स्वर को देखते हैं और हम यहां अध्याय 52 के श्लोक 1 को देखते हैं। इसकी तुलना अध्याय 51 के श्लोक 9 से करें। क्या अंतर है? यह सही है।

51 9 में जिस व्यक्ति को जागने के लिए कहा जा रहा है, उसे जागने के लिए किसको बुलाया जा रहा है? प्रभु, प्रभु की भुजा। प्रभु की भुजा जागो। यही वह समय है जब हमें आपकी ताकत की जरूरत है और भगवान यहां कहते हैं, जागने की जरूरत किसे है? जेरूसलम को जागने की जरूरत है।

तुम उठो। हे यरूशलेम, अपने विवाह के वस्त्र पहन लो। तो, प्रत्याशा का यह नोट, तैयार हो जाओ, तैयार हो जाओ, तैयार हो जाओ।

फिर 52 पर गौर करें कि परमेश्वर क्या कह रहा है कि यरूशलेम को क्या करना चाहिए। धूल झाड़ो, उठो, और क्या? बैठो, सिंहासन पर बैठो। अब इसकी तुलना 47 एक से करें। यह बिल्कुल विपरीत है, है ना? सिंहासन से उतर जाओ, और धूल में बैठ जाओ।

तो ये दो बिंदु यशायाह के प्रमुख विषयों में से एक को कैसे व्यक्त करते हैं? बेबीलोन ने अपने साथ क्या किया? हाँ, वह अंतिम परिणाम था। उससे पहले उसने क्या किया था? उसने खुद को ऊंचा कर लिया था। जब आप स्वयं को ऊंचा उठाते हैं तो क्या होता है? आप अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हैं या यशायाह के शब्दों का उपयोग करें, तो आप अंततः धूल में बैठ जाते हैं।

क्या होता है जब आप स्वेच्छा से भगवान के लिए धूल में बैठना स्वीकार करते हैं? वह तुम्हें ऊपर उठाता है। यही वह विषय है जो पूरी किताब में चलता रहता है। अभिमान तुम्हें अपमानित करेगा।

ईश्वर पर भरोसा आपको ऊंचा उठाएगा। माफ़ करें। उसे याद रखो।

आपको यशायाह के बारे में अपने अध्ययन के बारे में और कुछ याद नहीं है। उसे याद रखें, वह प्रतिसंतुलन विषय। अभिमान तुम्हें अपमानित करेगा।

ईश्वर पर भरोसा आपको ऊपर उठाएगा। श्लोक तीन से छह तक. वो क्या कह रहे थे? भगवान ने अपने लोगों को क्यों बेच दिया? उसे इससे कितना लाभ हुआ? कुछ भी नहीं कुछ भी नहीं।

वह चीज़ जिसके बारे में हमने पिछली बार बात की थी कि, हे भगवान, आपने हमें तलाक दे दिया और इसलिए, या आपने माँ सिथ्योन को तलाक दे दिया और इसलिए आप उसे वापस नहीं ले सकते। और भगवान ने कहा, तुम्हारी माँ का तलाक का प्रमाण पत्र कहाँ है? नहीं, हो सकता है कि मैंने उसे विदा कर दिया हो, लेकिन मैंने उसे कानूनी या आधिकारिक तौर पर तलाक नहीं दिया। खैर, भगवान, आपको हमें अपने लेनदारों को बेचना पड़ा।

वे ऋणदाता कौन हैं? नहीं, मुझे अपने नियंत्रण से बाहर किसी चीज़ के द्वारा आपको बेचने के लिए मजबूर नहीं किया गया था। तो फिर, वह कह रहा है, अगर उसे किसी चीज़ के लिए उन्हें बेचना नहीं पड़ा, तो इसका क्या मतलब है? वह उन्हें बिना कुछ लिए वापस ले सकता है। उसे किसी को भुगतान नहीं करना पड़ेगा। वह उन्हें वितरित कर सकता है।

हाँ। मैं बस थोड़ा उलझन में हूँ। भगवान ने अपने लोगों को क्यों बेच दिया? क्या यह अधिक ऐसा नहीं है कि उसने उन्हें बेचा नहीं, लेकिन उसने उन्हें बाज़ार में आने की अनुमति दे दी? उसने उन्हें बेचा नहीं, लेकिन उसने उन्हें बाज़ार में आने की अनुमति दी। हाँ, मेरा मतलब है, यह है, यह है, यह रूपक भाषा है। यह है, यह कल्पना है।

और वे कह रहे हैं कि आपको हमें बेचना होगा। आप इसकी मदद नहीं कर सके। इसलिए, अगर हमें वापस लाना है, तो आपको हमें वापस लाने के लिए किसी को बहुत सारा पैसा खर्च करना होगा।

और भगवान कह रहे हैं, नहीं, तुम्हें बेचकर मुझे कुछ नहीं मिला। और मुझे तुम्हें वापस खरीदने के लिए किसी को भुगतान नहीं करना पड़ेगा। तो, यह, यह कल्पना है कि यह पूर्ण नहीं है।

यह दृष्टान्तों की तरह है, लेकिन यह इस बात को स्पष्ट करता है कि मैं यह कर सकता हूँ। अब मैं चाहता हूँ कि आप श्लोक छह को देखें, जिसमें कहा गया है, मैंने तुम्हें बिना कुछ लिए बेच दिया। मैं तुम्हें बिना कुछ लिए वापस पा सकता हूँ।

इसलिये मेरे लोग मेरा नाम जान लेंगे। इसका क्या मतलब है? क्या वे इससे पहले यहोवा का नाम नहीं जानते थे? बेशक, उन्होंने ऐसा किया। अच्छा तो इसका क्या मतलब है? चरित्र, चरित्र, उन्हें पता चल जाएगा कि मैं किस तरह का भगवान हूँ।

हो सकता है कि वे इसे दिमागी ज्ञान से जानते हों। लेकिन अगर आपको याद हो, जैसा कि मैंने आपको पहले भी कई बार बताया है, हिब्रू में जानने की अवधारणा अनुभव से जानना है। तो, वे मेरे चरित्र का अनुभव करने जा रहे हैं।

तो फिर शेष श्लोक का क्या होगा? वे जान लेंगे कि मैं ही बोलता हूँ। मैं यहां हूँ। क्या होता है, इसका क्या मतलब है? ठीक है।

ठीक है। ठीक है। वे उसे अपने पिता के रूप में जानेंगे।

हम्म हम्म. वे उसे सच्ची महानता के रूप में जानेंगे। हम्म हम्म.

हम्म हम्म. उन्हें पता चल जाएगा कि आपको कहां ढूँढना है। हम्म हम्म.

और उस नाम के अर्थ तक पूरी तरह याद रखें। अब यह तीसरे व्यक्ति में है, वह जो है। लेकिन अगर आप उससे तीसरे व्यक्ति में बात नहीं कर रहे हैं, तो आप उसे कॉल करें, मैं हूँ।

एक बार फिर, यह पूरा मुद्दा कि इस ब्रह्मांड में कौन कह सकता है, मैं हूँ, और मेरे अलावा कोई नहीं है। यह केवल यहोवा है। और आप यह जानने वाले हैं।

तुम्हें पता चल जाएगा कि मैं सृजन में किसी भी चीज से बाध्य नहीं हूँ। मूर्तियाँ हैं, लेकिन मैं नहीं हूँ। और मैं तुम्हें बाहर निकाल सकता हूँ और तुम्हें यह पता चल जाएगा।

तो, तुम्हें मेरी कृपा का पता चल जाएगा। और तुम्हें मेरी शक्ति का पता चल जायेगा। एक शक्तिशाली व्यक्ति का होना अच्छा नहीं है यदि वह दयालु नहीं है और एक दयालु व्यक्ति का होना भी अच्छा नहीं है यदि वह शक्तिशाली नहीं है, लेकिन आपको पता चल जाएगा कि मैं कौन हूँ, जब मैं यहां कहूँगा, मैं हूँ, आपको पता चल जाएगा कि कौन बात कर रहा है अब, श्लोक सात से 12 में, हमारे पास कल्पना का एक विस्तारित टुकड़ा है।

और मैं शीर्ष पर पृष्ठभूमि में इसके बारे में बात करता हूँ। बारूद के आविष्कार से पहले, चारदीवारी वाले शहर में घुसना मुश्किल था। प्राथमिक विकल्प घेराबंदी थी।

घेरने वाली सेना शहर को घेर लेगी और किसी को भी अंदर या बाहर जाने से रोक देगी, जिससे निवासियों को भूखा मार दिया जाएगा। अंदर के लोगों के लिए, एकमात्र आशा घेरने वालों पर भारी पड़ने की थी। ऐसा होने का एक तरीका यह था कि घेरने वाले जनरल को उसके क्षेत्र में कहीं और किसी घटना के कारण अपनी सेना वापस लेने के लिए मजबूर किया जाए।

52, सात से 12 में इसका वर्णन किया गया है। पहाड़ों पर उसके पैर कितने सुन्दर हैं जो शुभ समाचार लाते हैं। और जैसा कि मैं कहता हूँ, अच्छी खबर लाओ, ग्रीक अनुवाद वह है जो इंजील या इंजीलवादी का आधार है।

शालोम का प्रकाशन कौन करता है? दान? मेरा एक सवाल है। चित्र यह है कि घिरे हुए शहर में, एक धावक युद्ध से आ रहा है जो कि घिरे हुए शहर का एक हिस्सा है। हाँ।

संदेश कि उस दूर की लड़ाई में उस शहर के सहयोगी की जीत हुई है। यह बिल्कुल सही है। यह बिल्कुल सही है।

इसलिये पहरुआ घिरे हुए नगर की शहरपनाह पर खड़ा हुआ कह रहा है, मुझे एक दूत दिखाई देता है। अच्छा, आप क्या देखते हैं? खैर, वह ताड़ की एक शाखा लहरा रहा है। पहाड़ों पर उसके पैर कितने सुन्दर हैं जो शुभ समाचार लाते हैं।

आपको मैराथन की कहानी याद है। इस तरह यह पूरा मामला शुरू हुआ। वह आदमी जो एथिनियाई लोगों को यह घोषणा करने के लिए 26 मील दौड़ा कि ग्रीक सेना ने मैराथन में फारसियों के खिलाफ लड़ाई जीत ली है और वह शहर में भाग गया और मर गया।

निःसंदेह, इसका एक कारण यह था कि वह एक दिन पहले 52 मील दौड़ा था। इसलिए वह 56 मील या 26 मील दौड़ने के कारण मरा नहीं, बल्कि यहाँ तस्वीर यही है। मोक्ष का प्रकाशन कौन करता है? सिय्योन से कौन कहता है, तेरा परमेश्वर राज्य करता है।

युद्ध में वह विजयी हुआ। आपके चौकीदार की आवाज, वो आवाज उठाते हैं। साथ में, वे आंखों से आंखें मिलाकर खुशी के लिए गाते हैं।

वे प्रभु की सिंघोन में वापसी देखते हैं। अब, मैं वहीं रुकना चाहता हूँ। आइए वापस जाएं और अध्याय 40, श्लोक 3 से 5 तक देखें। फिर से, प्रसिद्ध छंद, जंगल में एक आवाज चिल्लाती है, प्रभु के लिए रास्ता तैयार करो, रेगिस्तान में हमारे भगवान के लिए एक राजमार्ग सीधा करो, हर घाटी को ऊंचा किया जाएगा, हर पहाड़ और पहाड़ी को नीचा बना दिया जाएगा, ऊबड़-खाबड़ जमीन समतल हो जाएगी, ऊबड़-खाबड़ जगहें समतल हो जाएंगी, प्रभु की महिमा प्रकट होगी और सभी प्राणी इसे एक साथ देखेंगे क्योंकि प्रभु ने ऐसा कहा है।

अब, मेरा प्रश्न यह है कि मोक्ष का वर्णन परमेश्वर के आगमन के संदर्भ में क्यों किया जाता है? उन्हें लगा कि भगवान ने उन्हें त्याग दिया है। हाँ, और क्या? ठीक है, एक मजबूत शक्ति आपकी सहायता के लिए आती है। इससे उनके बारे में क्या पता चलता है? वे घेरे में हैं और वे असहाय हैं।

हम अपने आप को नहीं बचा सकते। ईश्वर तक पहुंचने के लिए हम अपनी ताकत, अपनी ऊर्जा, अपनी बुद्धि से कुछ नहीं कर सकते। यीशु ने यही कहा था, इसका मतलब यह था कि कोई भी ईश्वर को नीचे लाने के लिए स्वर्ग में नहीं जा सकता।

भगवान को हमारी दुनिया में स्वयं आना होगा। और इसलिए, मसीह के आने का पूरा विचार, वह हमारी असहायता में, हमारी निराशा में हमारे पास आता है, और यदि उसने ऐसा नहीं किया होता, तो हम अनंत काल तक अपनी असहायता और निराशा में बने रहेंगे। पहाड़ों में उसके चरण कितने सुन्दर हैं, जो शुभ समाचार लाते हैं।

तो, मैं आपसे सवाल पूछता हूँ, जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, यहां का स्वर क्या होता है? श्लोक 10, 11, 12. क्या यह शांत है? क्या यह चिंतनशील है? क्या यह चिंतनशील है? यह गा रहा है. हाँ, उस प्रश्न का उत्तर नहीं है।

यह शांत नहीं है. यह चिंतनशील नहीं है. यह चिंतनशील नहीं है.

यह उत्साह और आश्चर्य है. मैं उसे अपने मन की आँखों से देख सकता हूँ। नहीं, वह अभी तक पहाड़ पर नहीं आया है।

यह दूत है जो आया है, लेकिन दूत पर भरोसा किया जा सकता है, और प्रभु उसके ठीक पीछे रहेगा। बहुत खूब। रोमांचक।

घुड़सवार सेना आ रही है. हाँ। बिल्कुल।

बिल्कुल। एक बच्चे के रूप में, मुझे घुड़सवार सेना और कैल्वरी में अंतर करने में बहुत कठिनाई होती थी। तो, श्लोक 10 में प्रभु ने क्या किया है? फिर से, प्रत्याशा में.

उसने अपना हाथ खोल दिया है . उसने अपनी आस्तीन ऊपर चढ़ा ली है। उस 27 इंच के बाइसेप को देखो।

बहुत खूब। अब याद रखें, मुझे लगता है, क्या मैंने आपसे यहां पूछा था? हाँ। 50 श्लोक 2 को देखें। यहाँ, शब्द भुजा के बजाय हाथ है, लेकिन यह वही बिंदु है।

क्या मेरा हाथ छोटा कर दिया गया है ताकि मैं डिलीवरी न कर सकूँ? क्या मेरा हाथ सूख गया है? और उत्तर, निश्चित रूप से, नहीं है। ठीक है। आइए अध्याय 51, श्लोक 5 को देखें। मेरी धार्मिकता निकट आ रही है।

मेरा उद्धार हो गया। मेरी भुजाएँ लोगों का न्याय करेंगी। समुद्रतट मेरी आशा करते हैं, और वे मेरी भुजाओं की बाट जोहते हैं।

यह केवल हिब्रू लोग ही नहीं हैं जो परमेश्वर की भुजा प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह पूरी दुनिया है. और फिर, निस्संदेह, 51.9. जागो, जागो, शक्ति लगाओ, हे प्रभु की भुजा।

ठीक है। आपने वादा किया है कि आप ऐसा करने जा रहे हैं, इसलिए ऐसा करें। और इसलिए यहाँ यह फिर से अध्याय 52, श्लोक 10 में है।

यहोवा ने सब राष्ट्रों के साम्हने अपनी पवित्र भुजा प्रकट की है, और पृथ्वी के दूर दूर देशों के लोग देखेंगे। फिर, अक्सर इस पूरे खंड के माध्यम से, यह उद्धार जो परमेश्वर करने जा रहा है वह पूरी दुनिया के सामने होगा। यह सिर्फ इज़राइल के लिए नहीं है, बल्कि इसे पूरी दुनिया के देखने के लिए है।

तो फिर, यदि अध्याय 49 से 55 बेबीलोन से मुक्ति का वर्णन नहीं कर रहे हैं, तो श्लोक 11 और 12 किस बारे में बात कर रहे हैं? उनके पाप. अब, यहाँ इसका दूसरा दिलचस्प पक्ष है। भगवान को उनके पास आना है लेकिन उन्हें क्या करना है? हाँ, और श्लोक 11 में क्रिया क्या है? बाहर जाओ, बाहर जाओ.

यहां मुक्ति का एक साथ काम करने वाला आकर्षक तालमेल है। हम टॉपलेस हैं. भगवान को हमारे पास आना ही चाहिए, लेकिन जब वह आए तो हमें अपने पाप छोड़कर उनसे मिलने के लिए निकलना होगा।

मुक्ति सदैव दोतरफा होती है। इसकी शुरुआत ईश्वर की ओर से होनी चाहिए, लेकिन फिर हमें आगे बढ़ना होगा और इसे प्राप्त करना होगा। हम केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं कि भगवान कहते हैं, ठीक है, मैं तुम्हें बचाऊंगा।

नहीं, भगवान कहते हैं, मैं तुम्हें बचाऊंगा। क्या कोई उठकर वह लेने आएगा जो मैं तुम्हें देना चाहता हूँ? वेदी कॉल के बारे में कुछ अच्छा है जहां आपको शारीरिक रूप से अपनी सीट से उठना पड़ता है और भगवान आपको जो प्रदान करता है उसे प्राप्त करना होता है। ठीक है, और फिर श्लोक 12 एक अद्भुत चित्र है।

यहोवा तुम्हारा अग्ररक्षक होगा, और इस्राएल का परमेश्वर तुम्हारा पीछे का रक्षक होगा। हाँ, हाँ, उठो और चलो, लेकिन यह जान लो कि ईश्वर तुम्हारे आगे चलता है और ईश्वर तुम्हारे पीछे चलता है। और हम रेगिस्तान में बादल और आग के खम्भे के बारे में सोचते हैं।

भगवान आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं, भगवान पीछा करने वाले शत्रु से रक्षा करने के लिए पीछे आते हैं। ठीक है, फिर हम अध्याय 52.13 पर आते हैं। जैसा कि मैं पृष्ठभूमि में कहता हूँ, यह बाइबिल में सबसे स्पष्ट प्रमाणों में से एक है कि अध्याय विभाजन प्रेरित नहीं हैं। यशायाह का 53 वां अध्याय 52.13 से शुरू होता है। अब, अध्याय विभाजन को उस स्थान पर क्यों रखा गया है जहाँ यह है, मैंने जिसे भी देखा है किसी के पास इसकी अच्छी व्याख्या नहीं है।

हम नहीं जानते कि अध्याय में विभाजन किसने किया। हम सभी जानते हैं कि हिब्रू बाइबिल, पुराने नियम के समय तक, हमारे पास मौजूद मृत सागर स्क्रॉल के बीच एक बड़ा अंतर था, जिसमें कोई अध्याय विभाजन नहीं है। और फिर पहली पूर्ण हिब्रू बाइबिल 1008 ईस्वी में थी और इसमें अध्याय विभाजन हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि ईसाई अध्याय विभाजन करने वाले पहले व्यक्ति थे क्योंकि वे अब स्क्रॉल का उपयोग नहीं कर रहे थे, बल्कि वे पुस्तकों का उपयोग कर रहे थे। और इसे स्क्रॉल पर ढूँढने के लिए, आप मूल रूप से इसे अनियंत्रित कर सकते हैं। और जैसा आपने किया, आप वह स्थान पा सकते हैं जहाँ आप जाना चाहते थे।

लेकिन एक किताब के साथ, किसी भी कीमत पर, जिसने भी यह किया, उसने यहाँ गलत किया। क्योंकि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि 52.13.14 और 15 इस बड़ी कविता का हिस्सा हैं। आपके पास तीन-तीन छंदों के पांच छंद हैं।

इसे बहुत सावधानी से डिजाइन किया गया है। जैसा कि डॉ. किनलों ने मुझसे एक बार कहा था, जिस व्यक्ति ने इसे लिखा है उसने इसे शनिवार की सुबह एक लिफाफे के पीछे नहीं लिखा था, क्या उसने ऐसा किया था? नहीं, नहीं, इसे बहुत सावधानी से डिजाइन किया गया है। यदि आप चाहें तो पहला श्लोक 13.14.15 परिचयात्मक है।

अगला श्लोक 53.1.2 और 3 हमें बताता है कि उसका तिरस्कार क्यों किया गया। 4.5 और 6 हमें बताते हैं कि उसका बोझ क्या है। 7, 8, और 9 हमें उसकी दासता के अन्यायपूर्ण परिणाम के बारे में बताते हैं।

10, 11, और 12 हमें उसके सेवकत्व की प्रकृति बताते हैं। तो यह पहला श्लोक 13.14.15 एक अद्भुत विरोधाभास से चिह्नित है। श्लोक 13 और श्लोक 9 के बीच क्या अंतर है? और श्लोक 14 और 15? पीड़ित सेवक और पुनर्जीवित प्रभु।

क्या आप कह रहे हैं कि 13 पुनर्जीवित भगवान हैं? ठीक है, हाँ. उत्साह और आश्चर्य. अब, जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में कहा है, श्लोक 13, यह इन हिब्रू शब्दों में से एक है जिसके कई अर्थ हैं।

वे संबंधित हैं, लेकिन एक अर्थ बुद्धिमान होना है। और आपके कुछ अनुवाद ऐसा कहेंगे। वह बहुत समझदारी से काम लेंगे।

दूसरा अर्थ समृद्धि है, हालाँकि उस विशेष वित्तीय तरीके से नहीं जिसके बारे में हम अंग्रेजी में सोचते हैं। और यह हमें तीसरे अर्थ की ओर ले जाता है, जो मुझे लगता है कि यहां सही अर्थ है, और वह है सफल होना। यदि आपका काम सफल होता है, तो आप सफल होते हैं।

यदि आप बुद्धिमान हैं, तो आप जानते हैं कि सफल कैसे होना है। और यही बात है. हाँ, यह नौकर उस चीज़ में सफल होने जा रहा है जिसके लिए उसे भेजा गया है।

वह सफल होगा. वह क्या होगा? ऊंचा। वह ऊंचा और ऊंचा किया जाएगा.

ऊँचा और उठा हुआ। वे दो शब्द पुस्तक में तीन बार आते हैं। क्या किसी को पता है कि पहला कहाँ है? अध्याय छह.

मैंने प्रभु को ऊँचे सिंहासन पर बैठे हुए देखा। दूसरा स्थान अध्याय 57 में है। श्लोक 14, या वास्तव में 15।

यह कहा जाएगा, निर्माण करो, निर्माण करो, रास्ता तैयार करो, मेरे लोगों के रास्ते से हर बाधा को हटाओ। क्योंकि जो ऊंचा और ऊंचे स्थान पर है, वह यही कहता है। दूसरे शब्दों में, तीन घटनाओं में, उनमें से दो ईश्वर का उल्लेख करते हैं।

और यहाँ यह है. मेरा नौकर होगा, आखिर यह नौकर कौन है? यह इजराइल नहीं है. और यह यशायाह नहीं है.

यह कोई और है. और मैं अक्सर कल्पना करता हूँ कि ये भविष्यवक्ता अपना सिर खुजलाते हुए कहते हैं, मैंने अभी क्या कहा? वह ऊँचा और ऊँचा होने वाला है। लेकिन भगवान, ये आपके विशेषण हैं।

और भगवान एक तरह से कहते हैं, हां, यशायाह, मैं यह जानता हूँ। बस इसे लिख लें. जैसा कि पतरस कहता है, भविष्यवक्ता यह देखने के लिए उत्सुक थे कि आप ईसाई अब क्या देखते हैं।

लेकिन ऊंचाई से गहराई तक. इससे पहले कि हम वहां जाएं, मैं चाहता हूँ कि आप अंतिम श्लोक, श्लोक 12 पर जाएं। भगवान इस सेवक के लिए क्या करने जा रहे हैं? वह उसे पुरस्कृत करने जा रहा है।

युद्ध में लूट का माल कौन बाँटता है? विजेता, विजेता. तो यहाँ हम पहले श्लोक, 52, 13 में हैं। और अंतिम श्लोक, 53, 12 में हैं।

और हम बात कर रहे हैं नौकर की जीत की. यदि आप इसे पढ़ नहीं सकते तो यह एम है। सेवक की विजय.

अब, आप ऐसा क्यों मानते हैं कि आप उसी नोट पर प्रारंभ और अंत करते हैं? बाकी कविता के बारे में क्या? यह एक आपदा है, है ना? त्रासदी है। यह भयावह है। लेकिन शुरुआत और अंत।

और यह हमें याद दिलाता है, यह मुझे याद दिलाता है, मुझे लगता है मुझे कहना चाहिए, फिलिप्पियों में पॉल की। जिसने ईश्वर के रूप में पाए जाने पर उसकी बराबरी करना डकैती नहीं, बल्कि खुद को खाली करना समझा। उन्होंने सेवक का रूप धारण कर लिया।

और दास के रूप में पाए जाने पर वह मनुष्य बन गया, यहां तक कि मृत्यु तक। इसलिए, भगवान ने उसे बहुत ऊंचा किया है और उसे एक ऐसा नाम दिया है जो हर नाम से ऊपर है। ऊंचाई से गहराई तक।

यीशु ने जो किया वह कैसे कर सका? वह महिमा के वस्त्र कैसे उतार सकता है और तारों की सीढ़ी से अस्तबल में कैसे उतर सकता है? क्योंकि वह जानता था कि वह कौन है। वह जानता था कि कहानी कैसे समाप्त हुई। और यह जानते हुए भी वह कुछ भी सह सकता है।

हममें से कुछ लोगों को यह जानने की जरूरत है। हममें से कुछ लोग इस बात को लेकर आश्चर्य नहीं हैं कि कहानी कैसे समाप्त होती है। यदि आप जानते हैं कि आप कौन हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको केवल एक तौलिया पहनना है।

कुछ भी नहीं खोया है। लेकिन यदि आप नहीं जानते कि आप कौन हैं, तो, यार, आपके पास हार्ट, शेफ़नर और मार्क्स होंगे। शायद इसका अर्थ यह है कि मैं स्वयं को नहीं जानता।

वैसे भी, यह हार्ट, शेफ़नर और मार्क्स नहीं है। मैं आपको इसकी गारंटी दे सकता हूँ। शुरुआत और अंत विजय के साथ।

क्योंकि तुरंत, वे आप पर चकित हो गए। उसका स्वरूप इतना खराब था कि वह मानवीय समानता से परे था, उसका रूप मानवजाति के बच्चों से परे था। ज़रा ठहरिये।

ज़रा ठहरिये। हमें उम्मीद नहीं थी कि हमारा उद्धारकर्ता ऐसा दिखेगा। वह सुंदर होना चाहिए।

वह अच्छा दिखने वाला होना चाहिए। वह मैला-कुचैला, विकृत, सूली पर चढ़ाया हुआ चेहरा नहीं। नहीं।

अब, श्लोक 15 में, एक मुद्दा है। मेरे पास यहां अंग्रेजी मानक संस्करण है। यह कहता है, वह बहुत सी जातियों को इसी रीति से छिड़केगा।

उसके कारण राजा अपना मुँह बन्द कर लेंगे। मैंने हिब्रू कविता के बारे में आपसे क्या कहा है? समांतरता। एक पंक्ति दूसरी पंक्ति का पर्याय है।

खैर, उनका मुंह बंद करो और छिड़को, यह समानांतर नहीं है। एक और समस्या है। हर जगह जहां यह क्रिया छिड़कती है, यह किसी और चीज पर कुछ छिड़कती है।

तो व्याकरण के तर्क के अनुसार, उसे किसी चीज़ पर राष्ट्रों को छिड़कना चाहिए। यह इस अकर्मक रूप में घटित नहीं होता कि आपको यह यहाँ मिल गया है। लेकिन अरबी में इन तीन व्यंजनों का मतलब चौकाना होता है।

यह हिब्रू बाइबिल में इस शब्द की एकमात्र घटना होगी। लेकिन मैं, आप जानते हैं, अगर मैं स्वर्ग पहुँचता हूँ और भगवान कहते हैं कि यह छिड़काव है, तो मैं हाँ कहूँगा, सर। लेकिन मैं पूरी तरह आश्चर्य हूँ कि यह चौका देने वाला है।

मुझे लगता है कि यही समानता है। वह अनेक राष्ट्रों को चौका देगा। उसके कारण राजा अपना मुँह बन्द कर लेंगे।

किसने सोचा होगा कि दुनिया का उद्धारकर्ता ऐसा दिखेगा? हर कोई सेवकाई का मरहम चाहता है, लेकिन कोई भी इसका विकृत, कलंकित चेहरा बर्दाश्त नहीं कर सकता। जो उन्हें नहीं बताया गया है, वे उसे देखेंगे। और जो उन्होंने नहीं सुना, वह समझ लेंगे।

मुझे यकीन नहीं है कि समझना बिल्कुल सही शब्द है, लेकिन यह विचार है कि वे पहचान लेंगे, लड़के, हमने यह कभी नहीं सुना है। और इसलिए अध्याय 53 का पहला श्लोक। श्लोक एक में क्या समस्या है? यह 27 इंच का बाइसेप नहीं है।

यह थोड़ी रेशेदार धुरी वाली चीज़ है। वह आरी नहीं है। वह उसके सामने एक युवा पौधे की तरह, सूखी भूमि में जड़ की तरह बड़ा हुआ।

आप जानते हैं, आप किसी चीज़ को बढ़ता हुआ नहीं देख सकते। मैं आज सुबह दंत चिकित्सक से बात कर रहा था। उसने कहा, तुम्हारी घास कैसी है? मैंने कहा, ओह, उसने कहा, हाँ, मैं कल खिड़की से बाहर देख रहा था।

मैंने अपनी पत्नी से कहा, मुझे विश्वास है कि मैं इसे बढ़ता हुआ देख सकता हूँ। लेकिन यहाँ मुद्दा यह है कि आप इस चीज़ को विकसित होते नहीं देख सकते। यह सूखी ज़मीन में उगने वाला एक छोटा सा धुरीदार पौधा है।

दिन बीतते गए और बात एक इंच भी नहीं बढ़ी। उसका कोई रूप या ऐश्वर्य नहीं था कि हम उसकी ओर देखते। कोई खूबसूरती नहीं कि हम उसकी चाहत करें।

मैं सोचता हूँ कि यीशु कुरूप थे। मुझे नहीं लगता कि वह सुलैमान के ईसा मसीह के सिर जैसा दिखता था। आप कहते हैं, आपको ऐसा विचार कहां से मिलेगा? खैर, यह कहता है कि उसने हमारे दुखों और दुखों को सहन किया।

और हममें से कुछ लोगों के लिए, दिन का पहला दुःख दर्पण में देखना होता है। मुझे लगता है कि मैंने आपको यह पहले भी बताया है, लेकिन लगभग 114 साल पहले जब मैं बच्चा था, हमारे पास टेलीविजन नहीं था। रविवार शाम 5:30 पर, अब तक की सबसे महान कहानी रेडियो पर आई।

सुसमाचार की कहानियों का नाटकीयकरण। और मुझे विशेष रूप से अच्छे सामरी की कहानी बहुत अच्छी तरह से याद है। पिता अपने बेटे और पत्नी को अलविदा कह कर घर से निकल गये और चल दिये।

लेकिन आपको उस व्यक्ति को पहचानने में कभी कोई परेशानी नहीं हुई जो यीशु का भाग पढ़ रहा था। उसके पास बहुत खूबसूरत बैस आवाज़ थी। और हर बार जब वह बोलता था, तो पृष्ठभूमि में एक ऑर्गन बजता था।

खैर, शायद अगर मैं यहां खड़ा होऊं और कहूं, मैं भगवान हूं और एक अंग बजाता हूं, तो आप थोड़ा उछल पड़ सकते हैं। हाँ सही। अब, हम अपनी विजयी परेड का नेतृत्व करने के लिए एक कॉस्ट्यूम ड्रम मेजर चाहते थे।

नहीं, नहीं, उसकी अच्छाई के अलावा उसके बारे में कुछ भी नहीं। एक अलौकिक, भयावह, निंदनीय अच्छाई। यदि आप 42, 49, और 50 में नौकर के विवरण को देखते हैं, तो आप उसकी अस्वीकृति पर अधिक जोर पाते हैं।

यहां अपने चरमोत्कर्ष पर आकर न केवल अस्वीकृति, बल्कि पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। और यदि आप अध्याय 11 पर वापस जाएँ, तो मसीहा की तस्वीर जेसी के ठूठ से उगने वाली एक शाखा है। वह अपनी आंखों से न्याय नहीं करेगा।

वह एक सामान्य राजा की तरह कार्य नहीं करेगा। नहीं, यह आदमी एक बच्चे के रूप में शासन करेगा। राजसत्ता के सारे तामझाम वहाँ नहीं थे।

तो हमने उसे कैसे जवाब दिया? हमने उसका तिरस्कार किया। अब, हिब्रू में तिरस्कार करने का मतलब है न सोचना, बेकार समझना। वह मेरे समय के लायक नहीं है।

इस बंदे पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। वह स्पष्टतः शासक बनने के योग्य नहीं है। वस्तुतः बीमारी और पीड़ा से ग्रस्त व्यक्ति।

और मुझे लगता है कि मुद्दा यह कहना नहीं है कि यीशु हर समय बीमार रहता था, बल्कि उस तरह की भाषा का उपयोग करके यह कहना है कि वह एक मजबूत आदमी नहीं है। वह कोई ताकतवर आदमी नहीं है। और तो हमने क्या किया? श्लोक तीन का उत्तरार्ध।

हमने अपना चेहरा छुपा लिया . हम उसकी ओर देखना नहीं चाहते थे. हम ऐसे लोगों के साथ रहना पसंद नहीं करते जो दुखी, अवसादग्रस्त या पीड़ित हैं।

हम ऐसे लोगों के साथ रहना भी पसंद नहीं करते जो पारदर्शी रूप से अच्छे होते हैं। उसका कोण क्या है? आप जानते हैं, आप अपनी ठुड्डी से नेतृत्व नहीं करते। आप अपने आप को थोड़ा सुरक्षित रखें।

आप कुछ न कुछ रिजर्व में रखें। लेकिन यह आदमी, यह शर्मनाक है। आप जो देखते हैं वही आपको मिलता है।

उसका तिरस्कार किया गया। और हम, मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यों करते रहते हैं, हमने उसका सम्मान नहीं किया। खैर, मुझे पता है कि सम्मानित क्लैम क्या है, लेकिन क्या है, हमने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

इसका यही मतलब है। वह हमारे ध्यान के लायक नहीं था। हमारे पास करने के लिए अन्य काम थे।

हमने उसके बारे में नहीं सोचा। बैंडबॉक्स से बाहर निकलकर टा-दा कहने वाला नहीं। मैं उस तरीके के बारे में सोच रहा हूँ जिसमें उन्होंने यहूदियों का चित्रण किया था।

यह हमेशा सबसे खराब तरीके से होता था। उनके लक्षण, अत्यंत कुरूप. बड़ी नाक, लंबे घुँघराले बाल।

तो, मैं कल्पना करता हूँ कि उनमें कुछ ऐसी ही खूबियां रही होंगी। एकदम सही। वो लोग बस थे.

एकदम सही। एकदम सही। आप जानते हैं, उसका न तो रूप था और न ही सुन्दरता कि हम उसकी इच्छा करें।

मेरा मतलब है, आप जानते हैं, उसके नाम पर केवल एक सूट था। इसकी सीट चमकदार होनी चाहिए। अगर आज होता, तो वह 12 गुंडों के साथ एक मार-पीट वाली स्कूल बस में घूम रहा होता।

हाँ। और यह जगत् का उद्धारकर्ता है? तीसरा श्लोक. अब सुनो जैसे मैं पढ़ता हूँ।

निश्चय ही उस ने हमारे दुःखों को सह लिया, और हमारे दुःखों को अपने ऊपर ले लिया। फिर भी हमने उसे त्रस्त, ईश्वर द्वारा मारा गया और पीड़ित माना। परन्तु वह हमारे अपराधों के कारण घायल हुआ।

वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया। उस पर वह ताड़ना पड़ी जिसने हमें स्वास्थ्य प्रदान किया। और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए।

हम सब भेड़ों की तरह भटक गए हैं। हमने सबको अपनी राह पर मोड़ दिया है। और यहोवा ने हम सब के अधर्म का दोष उस पर डाल दिया है।

क्या आपको लगता है कि वह कोई बात कह रहा है? अब विशेषकर, श्लोक चार को देखें। इस आदमी को क्यों पीटा गया? नहीं, श्लोक चार के उत्तरार्ध में। भगवान ने ऐसा किया।

हाँ, यह उसके पास आ रहा था। आपको थोड़ा स्मार्ट बनना होगा। मेरा मतलब है, आप अपनी ठुड्डी से नेतृत्व करते हैं, आपकी ठुड्डी पर चोट पड़ेगी।

हाँ, जैसा कि मेल ने कहा, यह हमारे लिए था। लेकिन हमने उसकी ओर देखा और कहा, वह इसे अपने ऊपर लाया है। यह उसके पास आ रहा था।

और फिर, मैं उस शुक्रवार की सुबह उस भीड़ में लोगों की कल्पना कर सकता हूँ। खैर, आप जानते हैं, मुझे नहीं लगता कि वह सूली पर चढ़ने के लायक है। लेकिन यार, तुम्हें थोड़ा होशियार होना पड़ेगा।

मेरा मतलब है, वह वास्तव में इसे अपने ऊपर लाया। मेरा मतलब है, यह सब बातें मेरा मांस खाने और मेरा खून पीने के बारे में हैं, मेरा मतलब है, आप ऐसी बातें कहते फिरते हैं, लोग आपको मार डालेंगे। मुझे खेद है, यह बहुत बुरा है।

वह एक अच्छा आदमी है। परन्तु तुम जानते हो, उस ने हमारा दुःख, हमारी बीमारी, हमारा अपराध, हमारा अधर्म सह लिया है। और फिर, जैसा कि मैं पृष्ठभूमि में कहता हूँ, उस पर वह मार पड़ी जिसने हमें स्वास्थ्य प्रदान किया।

इस बिंदु पर शांति एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण अनुवाद है। शालोम का कल्याण है। यही कारण है कि आज जेरूसलम शहर में अभिवादन मा शालोम्चा है।

आपका शालोम कैसा है? और यह, आप कैसे हैं? आपकी भलाई की स्थिति क्या है? यही बात है। वह पिट गया और हम ठीक हो गये। और आप इसे समानता में स्पष्ट रूप से देखते हैं।

उसके कोड़े खाने से हम ठीक हो गए। अब, मुझे पद 6 विशेष रूप से पसंद है, क्योंकि जब मैं हाई स्कूल में था तब मैं और मेरे पिता भेड़ पालते थे। कुछ लोग कहते हैं भेड़ें गूंगी होती हैं।

मैं इसके बारे में इतना निश्चित नहीं हूँ। मुझे लगता है कि मुख्यतः वे एक-दिमाग वाले हैं। ओह, घास के इस झुरमुट को देखो।

मम, वह स्वादिष्ट था। ओह, इसे देखो। ओह, इसे यहाँ देखो।

ओह, और यह वाला, और यह वाला, और यह वाला। और देखो, देखो, देखो, देखो। मैं कहाँ हूँ? मैं यहाँ कैसे पहुँचा? हम सब भेड़ों की तरह भटक गए हैं।

ये हम हैं। मूर्ख नहीं, केवल एकचित्त। मैं वही चाहता हूँ जो मैं चाहता हूँ जब मैं चाहता हूँ।

और बाइबल इसे अधर्म कहती है। दुर्भाग्यवश, इसका अनुवाद करने के लिए हमारे पास कोई अच्छा समसामयिक शब्द नहीं है। इसमें टेढ़ेपन का विचार है।

और मुझे लगता है कि यह मिल जाता है। हमारे अंदर कुछ गड़बड़ है। मैं जो सोचता हूँ उससे आगे कभी नहीं देख सकता जो मेरे फायदे के लिए है।

और यहोवा ने यह सब उस पर डाल दिया। अब, अगले श्लोक के आरंभिक पद को देखें, जिसमें उसने जो कुछ सहा उसके अन्याय के बारे में बताया गया है। उस पर अन्धेर किया गया, और दुःख उठाया गया, तौभी उस ने वध होनेवाले मेमे के समान, वा ऊन कतरने के समय चुप रहनेवाली भेड़ के समान अपना मुंह न खोला।

यीशु ने हमारा ले लिया, यदि मैं नवविज्ञान का उपयोग कर सकता हूँ, यीशु ने हमारा भेड़चाल अपने ऊपर ले लिया। हममें, यह दृढ़ आत्म-सेवा है। उसमें वह हल्की निरीहता है।

हमारे पास एक पैसा था और वह मतलबी था। और इसलिए जब घसियारा आ रहा था, तो मैं उसके आसपास रहना चाहता था जब घसियारे को उस हिरन को लेना था। मैंने सोचा कि यह मजेदार होने वाला है।

घसियारे ने हिरन की ओर देखा। हिरन ने उसकी ओर देखा। और सांप की तरह तेज़, घसियारा नीचे पहुंचा, एक पिछला पैर पकड़ लिया, और वह हिरन नीले पक्षी की तरह नरम पैर हवा में रखते हुए घसियारे की छाती के सामने लेटा हुआ था।

मैं चकित रह गया। जैसे भेड़ अपने ऊन कतरने वालों के सामने चुप रहती है, वैसे ही उसने न केवल अपना मार्ग छोड़ दिया, परन्तु अपना मार्ग अपनाने का अधिकार भी छोड़ दिया। और तो उसे इससे क्या मिला? जुल्म और न्याय के द्वारा, उसे छीन लिया गया।

जहाँ तक उसकी पीढ़ी का सवाल है, किसने इस तथ्य के बारे में सोचा था कि उसे जीवित भूमि से काट दिया गया था? उन दिनों, बच्चों के बिना मरना ऐसा होता था मानो आप कभी जीवित ही न रहे हों। और मैं कल्पना कर सकता हूँ कि पिछले छह महीनों में, यीशु यरूशलेम की ओर जा रहे हैं। वह इन मूर्खों को क्रूस के बारे में बता रहा है।

और वे कह रहे हैं, नहीं, पीटर, तुम प्रधान मंत्री नहीं बनोगे। मैं प्रधानमंत्री बनूंगा. आप स्वच्छता मंत्री हो सकते हैं.

और यहीं शैतान बैठा है। यीशु, आप यरूशलेम तक जा रहे हैं। और वे तुम्हें मारने जा रहे हैं।

आप जानते हैं कि वे हैं। और छह महीने में ऐसा हो जाएगा मानो आप कभी जीवित ही नहीं रहे। अब देखिए, वहाँ 20, 30 अच्छी दिखने वाली युवा महिलाएँ हैं।

उनमें से कोई भी तुरंत आपसे शादी कर लेगा। और आप एक छोटा सा परिवार बढ़ा सकते हैं। और आप अपने बच्चों को ये सभी अद्भुत चीजें सिखा सकते हैं जो आप हमें सिखा रहे हैं।

मुझे बहुत खुशी है कि मुझे पता है कि यीशु ने क्या कहा था। उसने कहा, चुप रहो. जहाँ तक उसकी पीढ़ी का सवाल है, किसने सोचा कि वह मेरी प्रजा के अपराध के कारण जीवितों की भूमि से नष्ट हो गया है? और उन्होंने उसकी कब्र दुष्टों के साथ और उसकी मृत्यु के समय एक धनवान के साथ बनाई।

ज़ख्म पर नमक छिड़कते हुए, उसे उन गरीबों के साथ दफनाया भी नहीं जा सका जिनसे वह प्यार करता था। उसे दुष्ट अमीरों के साथ दफनाया जाना था। हालांकि उन्होंने कोई हिंसा नहीं की थी.

उनके मुख में कोई छल नहीं था. बाइबिल धन के प्रति बहुत ही उभयभावी है। यदि आपके पास धन है, तो वह ईश्वर का आशीर्वाद है।

आभारी रहें और दुनिया को आशीर्वाद देने के लिए उनका उपयोग करें। लेकिन अधिकतर अमीर लोगों ने इन्हें हिंसा और धोखे से हासिल किया। मैंने भगवान की सेवा की.

मैंने अपना अधिकार छोड़ दिया. और बदले में मुझे क्या मिला? उत्पीड़न, न्याय, कोई संतान नहीं, अमीरों के साथ दफनाया गया। और क्यों? मुझे लगता है कि आयत 10 बाइबल की सबसे खराब आयत की दौड़ में है।

वस्तुतः, यह क्या कहता है, इससे भगवान को उसे कुचलने में खुशी हुई। उसने उसे दुःख में डाल दिया है। अब, मेरे दो लड़के हैं।

उनमें से कई हो चुके हैं। कई बार मैंने उन्हें मारना चाहा, लेकिन वास्तव में नहीं। उसे कुचलने से परमेश्वर प्रसन्न हुआ। ये कैसा भगवान है? मेरे लिए, सबसे अच्छा उदाहरण वह है जो मैंने वर्षों पहले सुना था।

वह आदमी ब्रिज टेंडर था। उन्होंने एक नदी पर एक महान लिफ्ट पुल का संचालन किया। यह एक रेलमार्ग पुल था।

यह सामान्य रूप से ऊपर था क्योंकि नदी पर बहुत अधिक यातायात था। और जब रेलगाड़ियाँ आने वाली होती थीं, तो उसे नीचे रख दिया जाता था और रेलगाड़ी उस पार चली जाती थी। इसे फिर से ऊपर उठा लिया गया.

एक दिन, ब्रिज टेंडर अपने छोटे लड़के को अपने साथ काम पर ले आया। दोपहर तीन बजे उसे दूर से सीटी की आवाज सुनाई दी। ओह, वह दोपहर की पैसेंजर ट्रेन है।

मशीनरी और गियर फेंक दिया. और वह सैकड़ों टन स्टील नीचे गिरने लगा। और अचानक उसका बेटा चिल्लाया, डैडी! और वह यह देखने के लिए इधर-उधर घूमा कि उसके बेटे की कोट की आस्तीन उन गियर्स में फंस गई थी।

उन्हें क्षण भर में निर्णय लेना पड़ा। मशीनरी को गियर से बाहर फेंक दें और अपने बेटे की जान बचाएं और उस ट्रेन को खुले पुल से गुजरते हुए देखें और 300 लोगों को मरते हुए देखें, या अपने कान बंद कर लें और मशीनरी को गियर में छोड़ दें। मुझे डर है कि अगर आप उस ट्रेन में होते, तो मेरा बेटा होता तो आप तैरने जाते।

परन्तु परमेश्वर ने हमारे लिये अपने कान बन्द कर लिये। इस तरह यह उसे खुश कर सकता है क्योंकि वह जानता था। वह जानता था कि लागत क्या पैदा करेगी।

और आप इसे शेष श्लोक में तुरंत देख सकते हैं। और यह मज़ेदार है। अनुवादक इस बात को लेकर असमंजस में हैं क्योंकि धर्मशास्त्र इसमें आड़े आता है।

पाठ कहता है कि जब आप उसकी आत्मा को पाप के लिए बलि चढ़ाते हैं। खैर, अच्छे सुधारित धर्मशास्त्र में, यह असंभव है। हम अपने पापों के लिए मसीह को भेंट नहीं चढ़ा सकते।

भगवान को यह करना होगा. तो, यह ईएसवी है। जब उसकी आत्मा पाप के लिये बलिदान चढ़ाती है।

पाठ ऐसा नहीं कहता. लेकिन आप देखिए, पाठ सही नहीं हो सकता, क्योंकि यह हमारे धर्मशास्त्र से सहमत नहीं है। दूसरे कहते हैं, ठीक है, आप भगवान को संदर्भित करते हैं।

और वे ऐसा ही कहेंगे जब परमेश्वर उसके प्राण को पाप के लिये बलिदान कर देगा। खैर, ये बात नहीं है. लेकिन इस परिच्छेद में यह एकमात्र समय होगा जब आप ईश्वर का उल्लेख करेंगे।

मुझे लगता है कि ये वही लोग हैं जिनसे यशायाह बात कर रहा है। यीशु अपने टूटे हुए, लहलुहान शरीर को हाथों में लेकर हमारे पास आते हैं, और कहते हैं, यहाँ, बच्चे, मुझे अपने स्थान पर पिता को अर्पित करो। जब तुम उसका प्राण पापबलि करोगे, तब वह अपना वंश देखेगा।

कोई बच्चे नहीं? पूरी दुनिया में उसके लाखों बच्चे हैं क्योंकि वह अपनी जान देने को तैयार था। और वह अपने दिन बढ़ा देगा, 32 वर्ष की आयु पूरी कर लेगा? नहीं, वह सदैव जीवित रहता है। उसकी आत्मा की पीड़ा से, और भगवान की इच्छा से, भगवान की खुशी, सचमुच, उसके हाथ में सफल होगी।

हाँ। हाँ। यदि हम उसे अपने पापों के लिए भेंट चढ़ाएँ, तो उसका उद्देश्य सफल होगा।

कितना दुःख है यदि हम कहें, मुझे प्रसाद की आवश्यकता नहीं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। तब यह व्यर्थ था।

अपनी आत्मा की वेदना से वह देखेगा और संतुष्ट होगा। जब हमारे तीसरे, पीटर का जन्म हुआ, तो मुझे प्रसव कक्ष में रहने का सौभाग्य मिला। मैं कहता हूँ विशेषाधिकार.

मैं नहीं जानता कि जिस व्यक्ति को आप दुनिया में सबसे अधिक प्यार करते हैं, उसे संघर्ष करते और पीड़ित होते देखना कितना सौभाग्य की बात है। करेन कहती हैं, अगर कोई कहता है कि दर्द रहित प्रसव होता है, तो मुझे उन्हें डांटने की इजाजत है। और आप बस इतना ही कह सकते हैं, मैं तुम्हें फँसा दूँगा।

धकेलना। और जब पीटर का जन्म हुआ, तो मुझे कहना होगा, वह बदसूरत था। वह लाल, झुर्रीदार, पतला और बिल्ली की लड़ाई की तरह चिल्ला रहा था।

और उन्होंने उसे करेन की छाती पर रख दिया। और यह बादलों के पीछे से सूरज को निकलते हुए देखने जैसा था। अपनी आत्मा की वेदना से वह देखेगा और संतुष्ट होगा।

हाँ, पिताजी, यह इसके लायक था। यह इसके लायक था। उसके ज्ञान से, सिर ज्ञान से नहीं, नहीं, नहीं।

पिता के साथ अपने संबंध के द्वारा बहुतों को धर्मी ठहराएगा? वह उनके अधर्म का बोझ उठाएगा। इसलिथे मैं उसको बहुतोंमें से एक भाग बांट दूँगा। वह बिगड़े हुआओं को बलवन्तों के साथ बाँट देगा, क्योंकि उस ने अपना प्राण घात के लिये उण्डेल दिया, और अपराधियों के साथ गिना गया।

तौभी उस ने बहुतोंके पाप का बोझ उठाया, और अपराधियोंके लिथे बिनती की। तो, अध्याय 49, 50, 51, और 52 में, यह प्रत्याशा बढ़ाता है। हाँ, हम शत्रु से घिरे हुए हैं।

और हमने सोचा कि भगवान हमें भूल गया है। लेकिन उन्होंने कहा है कि वह हमें नहीं भूले हैं। और हम यह विश्वास करने का साहस करते हैं कि पहाड़ों के पार, वह हमारे लिए लड़ाई लड़ रहा है।

और हाँ, यहाँ धावक आता है। अरे वाह। हम भगवान की शक्ति का प्रदर्शन देखने जा रहे हैं।

क्या? क्या? यह अतुल्य हल्क नहीं है। आपमें से कुछ लोग यह जानने के लिए काफी बूढ़े हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ जब मैं कहता हूँ कि यह 90 पाउंड का कमजोर व्यक्ति है। चार्ल्स एटलस विज्ञापन याद है? हाय भगवान्।

आप हमें इससे कैसे मुक्ति दिलाएंगे? और भगवान कहते हैं, विश्वास करो. यह मेरी शक्तिशाली भुजा है. मैंने इसे बहुत पहले कहा था जब हम अध्याय 7 से 12 के बारे में बात कर रहे थे।

भगवान की कमजोरी. उसकी कमजोरी किसी भी इंसानी ताकत से ज़्यादा बड़ी है। उसकी शक्ति दुनिया में पैदा होने वाली सभी बुराईयों को अपने अंदर ले लेने और प्यार लौटाने की क्षमता में है।

मेरे मित्रो, यही शक्ति है।

चलिए प्रार्थना करते हैं। हे प्रभु यीशु, हम आपको कभी भी पर्याप्त धन्यवाद कैसे कह सकते हैं? लेकिन हम आपकी आवाज यह कहते हुए सुनते हैं, मुझे आपका धन्यवाद नहीं चाहिए। मैं चाहता हूँ कि आप मुझे अपने स्थान पर पिता को अर्पित करें। और इसलिए, हम यह करते हैं, प्रभु। धन्यवाद कहते हुए हम इसे फिर से करते हैं।

आपने हमारे लिए जो कुछ भी सहन किया उसके लिए धन्यवाद। पृथ्वी पर किसी भी रूप में आ रहा हूँ, लेकिन उस रूप में जिसकी हमें अपेक्षा थी। परन्तु हमारे लिये आपने अपना राजसी वस्त्र त्याग दिया। आप हम में से एक बन गए। धन्यवाद। धन्यवाद।

हे भगवान, हमें सिखाओ कि आपके नक्शेकदम पर चलने का क्या मतलब है। हमारे शाही वस्त्रों को अलग रखने के लिए। हमारे अधिकारों को दरकिनार करने के लिए।

अपनी रक्षा करने की हमारी आवश्यकता को अलग रखना। हे प्रभु, यीशु की तरह हमारी मदद करें कि हम हमारी दासता का परिणाम आपके हाथों में सौंपें और आपको इसके साथ वही करने दें जो आप चाहते हैं। और हम जानते हैं कि यह अच्छा होगा। आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।